सं0–641 / कृषि एवं कृषि विपणन / 2003

प्रेषक,

डा0पी0एस0गुसांई,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

कुलपति,
गो0व0पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
पन्तनगर

कृषि एवं कृषि विपणन अनुभाग देहरादून : दिनांक 12 मई, 2003

विषयः– प्रदेश में जैविक कृषि को बढावा देने के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश में कृषकों को जैविक कृषि वैकल्पिक रुप से अपनाने हेतु प्रेरित किया जाय तथा इस क्रम में मझेड़ा जिसके आस–पास सब्जी उत्पादन काफी बड़े क्षेत्र में किया जाता है, इसे जैविक कृषि उत्पादन के अर्न्तगत लाया जाय एवं चाय शोध से सम्बन्धित कार्यक्रम पन्तनगर विश्वविद्यालय के बजाय मझेड़ा (नैनीताल) में किया जाय। के0वी0के0 चम्पावत में भी प्रक्षेत्र पर जैविक खेती का केन्द्र व प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित किया जाय।

2– पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय अपने प्रक्षेत्र पर प्राथमिकता से जैविक बीज का उत्पादन कार्यक्रम को तराई बीज विकास निगम के साथ टाइअप करके क्रियान्वित कर उसके विपणन आदि की कार्यवाही करायें।

कृपया उपरोक्तानुसार प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय तथा माह अप्रैल के अन्त तक इस सम्बन्ध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर अवगत करायें।

भवदीय,

(डा0पी0एस0गुसांई)
अपर सचिव।

सं0–641 / कृषि एवं कृषि विपणन / 2003 तद्दिनांक

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– मुख्य परियोजना निदेशक, जलागम प्रबन्ध परियोजना, बसन्त बिहार, देहरादून।
2– अपर परियोजना समन्वयक, कृषि विविधीकरण, परियोजना, देहरादून।
3– प्रबन्ध निदेशक, तराई बीज विकास निगम, हल्दी–पन्तनगर।

(डा0पी0एस0गुसांई)
अपर सचिव।